



ऑनलाइन बिक्री हेतु कड़े कथि गए नयिम

चर्चा में क्यों?

हाल ही में केंद्र सरकार ने कहा है कि ई-कॉमर्स कंपनियों (e-commerce companies) को उन फर्मों से उत्पाद बेचने पर रोक लगाई जाएगी जिनमें उनकी 'हसिसेदारी' या उन पर 'नयित्रण' है।

मंत्रालय का रुख?

- वाणजिय मंत्रालय (Ministry of Commerce) ने समेकति एफडीआई नीतिपरिपित्तर 2017 (Consolidated FDI Policy Circular 2017) के संबन्ध में इसे एक स्पष्टीकरण के रूप में जारी कथिा है। यह स्पष्टीकरण पहले की नीति में खामियों को दूर करने पर लक्षति है।
- वाणजिय मंत्रालय के अनुसार, ई-कॉमर्स के 'मार्केटप्लेस मॉडल (marketplace model)' में स्वचालति प्रकरथिा के तहत 100% एफडीआई की अनुमति है। ई-कॉमर्स के 'इन्वेंटरी-आधारति मॉडल (inventory-based model)' में FDI की अनुमति नहीं है।

नयित्रण से तात्पर्य

- 'इन्वेंटरी-आधारति मॉडल'

◆ कसिी भी ई-कॉमर्स को 'इन्वेंटरी-आधारति मॉडल' तब कहा जाता है जब उपभोक्ताओं को बेची जाने वाली 'वस्तु एवं सेवा' पर ई-कॉमर्स इकाई का ही स्वामतिव हो।

- 'मार्केटप्लेस मॉडल'

◆ कसिी भी ई-कॉमर्स को 'मार्केटप्लेस मॉडल' तब कहा जाता है जब कोई ई-कॉमर्स कंपनी खरीदार और वकिरेता के बीच एक सुवधि प्रदाता (Service Provider) के रूप में मात्र एक सूचना प्रौद्योगिकिी (Information Technology) प्लेटफॉर्म प्रदान करति है।

- मंत्रालय का रुख उक्त परिभाषाओं से ही स्पष्ट हो जाता है। मंत्रालय के अनुसार, मार्केटप्लेस उपलब्ध कराने वाली ई-कॉमर्स इकाई बेचे जानी वाली कसिी भी वस्तु या सेवा पर स्वामतिव या नयित्रण कायम नहीं करेगी।
- इन्वेंटरी पर इस तरह का स्वामतिव या नयित्रण 'मार्केटप्लेस मॉडल' को इन्वेंटरी-आधारति मॉडल व्यापार के रूप में संदर्भति करेगा।
- यदा कसिी वकिरेता की 25% से अधिक बकि्री 'ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस' इकाई वशिषिट या उस समूह की अन्य कंपनियों से हो रही हो तो उस वकिरेता की इन्वेंटरी को 'ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस' इकाई वशिषिट द्वारा नयित्त्रति माना जाएगा।

मंत्रालय के नरिदेश

- मंत्रालय द्वारा प्रस्तुत स्पष्टीकरण में यह भी कहा गया है कि एक 'ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस' कसिी भी वकिरेता को अपने प्लेटफॉर्म पर कसिी भी उत्पाद को बेचने के लयिे मजबूर नहीं करेगा।
- 'ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस इकाई' को हर साल 30 सतिंबर तक वैधानकिे लेखा परीक्षक (statutory auditor) की रिपोर्ट के साथ एक प्रमाण पत्र भारतीय रजिस्त्र बैंक को प्रस्तुत करना आवश्यक होगा, जसिमें सभिी दशिा-नरिदेशों के अनुपालन की पुष्टि होगी।

स्रोत-द हदि

